सांध्य दैनिक

4PM

हर कोई हर किसी चीज में अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन हर कोई किसी न किसी चीज में अच्छा हो सकता है।
-महात्रिया रा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 334 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 10 जनवरी, 2022

कोरोना बचाव जागरूकता पोस्टर न... 8 | सोशल इंजीनियरिंग के जरिए... 3 | कोरोनाः प्रदेश में अब बिना राशन... 7

चुनावी जंग को सपा की डिजिटल फौज तैयार, भाजपा को झटका

» फेसबुक, यूट्यूब और व्हाट्स एप के जरिए प्रचार को धार देगी पार्टी

» हर विधान सभा क्षेत्र में बनाए जा रहे व्हाट्स एप ग्रुप

» घर-घर जाकर भी कार्यकर्ता कर रहे प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से भाजपा सरकार को हटाने का संकल्प लेकर विधान सभा चुनाव में उतरे सपा प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा को लगातार झटका दे रहे हैं। अब तक भाजपा के कई नेता सपा में शामिल हो चुके हैं। इसी कड़ी में आज उन्होंने बदायूं के बिल्सी से भाजपा विधायक राधाकृष्ण शर्मा और प्रयागराज से भाजपा नेता शशांक त्रिपाठी को सपा की सदस्यता दिलायी। वहीं सपा प्रमुख ने चुनाव आयोग द्वारा रैलियों, रोड शो पर रोक लगाए जाने के बाद चुनावी जंग के लिए अपनी डिजिटिल फौज भी तैयार कर ली है। इसके जरिए वे एक-एक मतदाता तक पहुंचने की कोशिश करेंगे।

प्रदेश में विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद सपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। एक ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव विरोधी दलों के नेताओं को शामिल कर रहे हैं तो दूसरी ओर डिटिजल प्रचार अभियान के लिए अपनी फौज भी तैयार कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज सपा प्रमुख ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में बदायूं के बिल्सी से भाजपा विधायक राधाकृष्ण शर्मा को अपनी पार्टी की सदस्यता दिलाई। भाजपा बदायूं के बिल्सी में 1993 के बाद पहली बार 2017 में जीत दर्ज की थी और आरके शर्मा यहां विधायक चुने गए थे। वहीं आयोग द्वारा पार्टियों को 15 जनवरी तक डिजिटल प्रचार को कहा है। हालांकि कोरोना की रफ्तार को देखते हुए लगता है कि पूरा चुनाव प्रचार ही डिजिटल हो सकता है। लिहाजा सपा ने डिजिटल प्रचार की आक्रामक रणनीति तैयार की है। इसके तहत पार्टी ने व्हाट्स एप को मुख्य हथियार बनाने का फैसला किया है। सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि उनका फोकस छोटे-छोटे वीडियोज पर होगा जो आसानी से डाउनलोड हो सके और लोगों का डेटा भी कम खर्च हो। दूसरी तरफ डोर-टू-डोर कैंपेनिंग भी की जा रही है। इस रणनीति को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी के मीडिया पैनलिस्ट्स और कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग भी की थी। सपा नेताओं का कहना है कि फेसबुक और यूट्यूब के जरिए भी प्रचार अभियान को धार दिया जाएगा। हर विधान सभा में व्हाट्स एप ग्रुप तैयार किए गए हैं। इनमें से हर ग्रुप में 256 लोगों को जोड़ा गया है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

अखिलेश ने भाजपा विधायक राधाकृष्ण शर्मा को दिलायी पार्टी की सदस्यता

रैली बैन पर रामगोपाल ने उठाए सवाल, कहा, क्या रैलियों से घबरा गई सरकार

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने चुनाव आयोग की ओर से 15 जनवरी तक रैलियों-जनसभाओं पर लगाई गई रोक पर सवाल उठाए हैं। रामगोपाल यादव ने एक वीडियो शेयर कर ट्वीट किया है कि झंडा, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग कुछ नहीं लगा सकते। सभा, नुक्कड़ सभा, रोड शो, रैली भी नहीं कर सकते। मीडिया विपक्ष को दिखा नहीं सकती तो क्या अखिलेश की जनसभाओं में उमड़ते जन सैलाब से घबराकर सरकारी पार्टी के अनुकूल सब व्यवस्था की जा रही है। मतदाता साइकिल पहचानता है और साइकिल का बटन ही दबाएगा।

कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने सपा में शामिल होने का किया ऐलान

सहारनपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक इमरान मसूद ने आज सहारनपुर में अपने समर्थकों के बीच सपा में शामिल होने का ऐलान किया। इसकी अटकलें काफी समय से लगाई जा रही थीं। इसके पूर्व उनके आवास पर उनके समर्थकों की बैठक हुई। इस बैठक में जिले भर से बड़ी संख्या में उनके समर्थक जमा हुए। इमरान मसूद बैठक के बीच पहुंचे और अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा को सपा ही हरा सकती है। प्रदेश के विकास के लिए मैं सपा में शामिल हो रहा हूं। मैं कल सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात करूंगा।

पूर्व सांसद रिजवान जहीर, बेटी और दामाद सहित गिरफ्तार

» सपा नेता फिरोज पप्पू की हत्या का है आरोप

» तीन अन्य को भी दबोचा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। नगर पंचायत तुलसीपुर के पूर्व चेयरमैन फिरोज पप्पू की हत्या मामले में पूर्व सांसद रिजवान जहीर, उनकी बेटी जेबा रिजवान व दामाद रमीज समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रिजवान, जेबा व रमीज को ललिया थाना में लाया गया है।

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष व सपा नेता फिरोज पप्पू की चार जनवरी को देर रात उनके जरवा मार्ग स्थित आवास से 10 मीटर पहले गली में धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। सीसी टीवी कैमरे की फुटेज में चेहरा ढके पांच हमलावर दिखाई पड़े थे। इसी को आधार बनाकर बलरामपुर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों को पकड़ लिया गया। बताया जा रहा है कि पूर्व सांसद तथा उनके परिजनों ने साजिश कर भाड़े के हत्यारों से पूर्व अध्यक्ष फिरोज पप्पू की हत्या कराई है।

फिरोज पप्पू (फाइल फोटो)

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में गठित कमेटी करेगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक मामले की जांच अब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में गठित कमेटी करेगी। साथ ही कोर्ट ने केंद्र व पंजाब सरकार को अपनी जांच रोकने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। पंजाब सरकार ने भी माना है कि सुरक्षा में चूक हुई है लेकिन हम यह तय कर रहे हैं कि जांच का दायरा क्या होगा। कोर्ट ने कमेटी में चंडीगढ़ के डीजीपी, आईजी राष्ट्रीय जांच एजेंसी, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल और पंजाब के एडीजीपी (सुरक्षा) को शामिल करने का प्रस्ताव रखा है।

सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि पूरे मामले में चूक हुई है। यह पंजाब सरकार ने भी स्वीकार किया है। अगर केंद्र ही अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करना चाहता है तो कोर्ट इस मामले में क्या करेगा। पंजाब सरकार के वकील ने कहा कि केंद्र की कमेटी पर उसे भरोसा नहीं है, इसलिए कोर्ट अपनी ओर से कमेटी का गठन करे। गौरतलब है कि पंजाब दौरे के दौरान प्रधानमंत्री का काफिला 15-20 मिनट तक फ्लाईओवर पर रोक दिया गया था।

सुनवाई के बाद केंद्र व पंजाब सरकार को जांच रोकने के आदेश

सिराथू से ताल ठोक सकते हैं केशव

डिप्टी सीएम ने अपने करीबी को बनाया प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अपने गृह जनपद कौशाम्बी की सिराथू विधानसभा सीट से विधानसभा चुनाव में ताल ठोक सकते हैं। इसकी संभावना प्रबल हो गई है। उन्होंने अपने करीबी और भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अरुण अग्रवाल को सिराथू विधानसभा का प्रभारी भी नियुक्त कर दिया गया है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के विधानसभा चुनाव लड़ने के एलान के बाद अब चर्चा यही है कि वह चुनाव किस सीट से लड़ेंगे।

उनके प्रयागराज उत्तरी, फाफामऊ और पड़ोसी जिले कौशांबी की सिराथू विधानसभा में से किसी एक सीट पर चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे है। इस बीच उनके एक करीबी एवं भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अरुण अग्रवाल को सिराथू विधानसभा का प्रभारी बना दिया गया है। ऐसे में उनके अब सिराथू विधानसभा से चुनाव लड़ने की संभावना बढ़ गई है। सिराथू विधानसभा से डिप्टी सीएम के चुनाव लड़ने की संभावना इसलिए भी ज्यादा है कि वह बीते कुछ माह से कौशांबी जिले में ज्यादा सक्रिय है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के करीबी अरुण अग्रवाल को सिराथू विधानसभा का प्रभारी बना दिया गया है। अरुण अग्रवाल को प्रभारी बनाए जाने से अब सियासी गलियारे में यही चर्चा है कि केशव मौर्य सिराथू विधानसभा से ही चुनाव लड़ेंगे। किसी कारणवश वह सिराथू से चुनाव नहीं लड़ते हैं तो प्रयागराज की शहर उत्तरी विधानसभा या फिर फाफामऊ विधानसभा सीट से भाजपा उन्हें चुनाव लड़ा सकती है। दूसरी ओर अरुण अग्रवाल को सिराथू का प्रभारी बनाए जाने की पुष्टि कौशांबी जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने की है। जिलाध्यक्ष के मुताबिक डिप्टी सीएम चुनाव कहां से लड़ेंगे यह निर्णय पार्टी का संसदीय बोर्ड ही लेगा।

स्वतंत्र देव सिंह से मिले असीम अरुण

कानपुर के निवर्तमान पुलिस कमिश्नर असीम अरुण ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतन्त्र देव सिंह के आवास पर पहुंच कर उनसे मुलाकात की। मुलाकात के बाद असीम ने कहा कि उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का आशीर्वाद लिया है। असीम अरुण ने एक दिन पहले ही ऐच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कहने पर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं भाजपा कन्नौज सदर से उन्हें चुनाव में उतार सकती है। यह सीट सपा का मजबूत गढ़ रही है। कन्नौज सदर सीट पर पिछले 20 वर्षों से सपा का एक छत्र राज है। तीन बार से अनिल दोहरे साइकिल के निशान पर चुनाव जीतते आ रहे हैं। 2017 में मोदी मैजिक के दौरान भाजपा ने इस सीट को लेकर जबरदस्त घेराबंदी की थी, लेकिन सपा का किला ढहा नहीं पाई थी।

वैक्सीन सर्टिफिकेट पर अब नहीं होगी पीएम मोदी की फोटो

» यूपी-पंजाब समेत 5 राज्यों में चुनाव के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के 5 राज्यों में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में जो कोरोना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे, उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम या तस्वीर नहीं होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए कोविन प्लेटफॉर्म पर फिल्टर लगा दिए हैं। बता दें कि शनिवार को ही में 5 राज्यों में वोटिंग की तारीखों का ऐलान हुआ है। साथ ही इन सूबों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

ऐसे में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा के लोगों को जो भी वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट दिए जाएंगे, उस पर पीएम मोदी की फोटो अथवा नाम नहीं होगा। इस तरह की कवायद बीते साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में भी की गई थी। दरअसल, कोरोना के वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट पर पीएम नरेंद्र मोदी की तस्वीर की विपक्षी नेताओं ने आलोचना की है। हालांकि पिछले साल दिसंबर में केरल हाईकोर्ट ने एक याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट से पीएम मोदी की तस्वीर हटाने की मांग की गई थी।

विपक्ष की सरकारों में खूब हुआ जातिवाद-परिवारवाद : उमा

» लोगों में डर पैदा करने वाले खुद डर रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती वाराणसी पहुंची। सर्किट हाउस में उमा भारती ने सपा और बसपा पर निशाना साधा। भाजपा से ब्राह्मणों की नाराजगी के सवाल पर कहा कि प्रदेश ने जातिवाद को भुगता है। उन्होंने कहा अखिलेश यादव मायावती के सरकारों में खूब जातिवाद हुआ। इन्होंने इतना परिवारवाद किया कि उनकी अपनी जाति के लोग नाराज हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि अखिलेश सरकार की सबसे बड़ी भूल जातिवाद और परिवारवाद करके की। उन्होंने संप्रदायवाद फैलाया। कानून व्यवस्था कंट्रोल नहीं किया। भ्रष्टाचार किया। इस कारण से लोग यूपी में सपा की सरकार नहीं चाहते हैं। अखिलेश यादव के सपने में भगवान श्रीकृष्ण के आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोग क्यों नहीं सोच रहे हैं कि जनता के सपनों में अखिलेश यादव के पूरे पांच साल का कार्यकाल आ रहा है। लोगों में डर पैदा करने वाले खुद डर रहे हैं कि कहीं फिर सपना सच न हो जाए। अब लोग सीएम योगी आदित्यनाथ के पांच साल के कार्यकाल का सुखद सपना देख रहे हैं। समाजवादी पार्टी की वर्चुअल रैली के बारे में कहा कि यह उनके और चुनाव आयोग के बीच का मामला है। हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के महिला के सिर पर थूकने के विवाद पर उमा भारती ने कहा कि वो उन्हें नहीं जानती।

भाजपा नहीं, अखिलेश का ही देंगे साथ : राजभर

» राजभर से मिले भाजपा नेता, लग रहे कयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव को लेकर तारीखों का एलान कर दिया गया है। साथ ही सभी राजनीतिक दलों ने प्रत्याशी घोषित करने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच भाजपा नेता दयाशंकर सिंह की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर से मुलाकात ने सियासी कयासबाजियों को बल दे दिया है।

दयाशंकर सिंह ने खुद भी इस मुलाकात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि हमारी मुलाकात हुई है तो जाहिर सी बात है कि राजनीतिक चर्चाएं भी हुईं। बता दें कि यह तीसरी बार है जब दयाशंकर सिंह ने राजभर से मुलाकात की थी। 2017 के चुनाव में राजभर की पार्टी ने भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। भाजपा ने सुभासपा को आठ सीटें दी थी जिनमें से चार पर उसे जीत मिली थी। राजभर का पूर्वांचल व बुंदेलखंड में राजभर बाहुल सीटों का खास प्रभाव है। भाजपा नेताओं ने महान दल प्रमुख केशव देव मौर्य से भी मुलाकात की थी। हालांकि, ओम प्रकाश राजभर का सपा के साथ गठबंधन हो गया है। गठबंधन के एलान के बाद राजभर ने कहा था कि अगर अखिलेश उन्हें एक भी सीट नहीं देते हैं तो भी वह सपा के साथ ही रहेंगे। राजभर प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी पर भी कठोर टिप्पणी करते रहे हैं। हालांकि अक्सर उनके भाजपा के साथ फिर से आने के कयास लगते रहे हैं।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

यूपी : बसपा में दो तिहाई सीटों पर प्रत्याशी लगभग तय

» अगले तीन दिनों में सभी सीटों पर हो जाएगा चयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मुख्य सेक्टर प्रभारियों को निर्देश दिया है कि उम्मीदवारों के चयन का काम तीन दिन में पूरा कर लिया जाए। उन्होंने बैठक में मंडलवार उम्मीदवारों के चयन के बारे में जानकारी ली। इसमें बताया गया कि लगभग 323 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन का काम पूरा हो गया है। शेष 80 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन का काम उनके निर्देश के आधार पर पूरा कर लिया जाएगा। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को पार्टी मुख्यालय पर मंडल मुख्य सेक्टर प्रभारी, जिला सेक्टर प्रभारी, जिलाध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्षों के साथ बैठक की।

उन्होंने एक-एक सीट पर उम्मीदवारों के नामों की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि मायावती राज्य स्तर से 15 जनवरी के बाद उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेंगी, जिससे उनके लिए नामांकन पत्र तैयार करने का काम समय से पूरा हो सके। मायावती ने लखनऊ बसपा जिलाध्यक्ष बदल दिया है। राजेंद्र गौतम के स्थान पर गंगाराम गौतम को नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

विधानसभा अध्यक्षों को अहम जिम्मेदारी

मायावती ने विधानसभा अध्यक्ष और जिलाध्यक्षों को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा है कि उम्मीदवार जिताने की जिम्मेदारी उनकी है। पार्टी के सत्ता में आने पर उन्हें इसका ईनाम दिया जाएगा। मुख्य सेक्टर प्रभारियों की भी जिम्मेदारियां तय की गई है। उन्हें उम्मीदवारों का नामांकन पत्र तैयार कराने के साथ ही उसे भराने की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि वे यह ध्यान रखेंगे कि किसी तरह कोई अपराधी टिकट न पाए। इसकी सीधी जिम्मेदारी मुख्य सेक्टर प्रभारियों की होगी।

क्या अजय कुमार लल्लू लगा पाएंगे जीत की हैट्रिक?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कुशीनगर जिले की सात विधानसभा सीटों में से एक विधानसभा सीट है तमकुही राज विधानसभा सीट। ये विधानसभा सीट यूपी की हॉट सीटों में से एक है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू इस विधानसभा सीट से लगातार दो बार के विधायक हैं। तमकुही राज विधानसभा क्षेत्र के गांवों के लिए बाढ़ बड़ी समस्या रही है। इलाके के कई गांव बाढ़ से प्रभावित रहते हैं। तमकुही राज विधानसभा सीट की राजनीतिक पृष्ठभूमि की बात करें तो ये विधानसभा क्षेत्र पहले सेवरही विधानसभा सीट के नाम से जाना जाता था। इस सीट से 1980 में जनसंघ के नेता पंडित नंद किशोर मिश्रा विधायक निर्वाचित हुए और दो दफे विधानसभा में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। समय के साथ इस सीट से सियासत का समीकरण बदला और 2012 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे अजय कुमार लल्लू को जनता ने विधानसभा में भेजा। तब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नंदकिशोर मिश्रा दूसरे और समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर उतरे पीके राय तीसरे स्थान पर रहे थे।

सोशल इंजीनियरिंग के जरिए सत्ता में वापसी की कवायद में जुटे अखिलेश

» जातियों को साधने में जुटे ताकि बीजेपी बहुमत का आंकड़ा न छू सके

» वोट बैंक अपने पाले में लाने के लिए कर रहे हैं तमाम जतन

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पांच साल पहले भाजपा ने अपने 15 साल के सत्ता के वनवास को खत्म करने के लिए सवर्ण समाज के साथ ओबीसी-दलित समुदाय के कुछ जातियों को मिलाकर सोशल इंजीनियरिंग बनाई थी। बीजेपी का यह सियासी फॉर्मूला सफल भी रहा था लेकिन 2022 के यूपी विधान सभा चुनाव में बीजेपी की इसी सोशल इंजीनियरिंग में सपा प्रमुख अखिलेश यादव सेंध लगाकर सत्ता में वापसी की कवायद में जुटे हैं।

सपा की नजर उन सभी वोट बैंक पर है, जिनके सहारे बीजेपी ने 2017 के चुनाव में 312 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की थी। 2022 चुनाव में सपा अलग-अलग जातियों को साधने के लिए हरसंभव कोशिश में जुटी हैं। अखिलेश यादव जातीय आधार वाले दलों के साथ गठबंधन करने से लेकर विपक्षी दलों के नेताओं तक को अपने साथ मिलाने में जुटे हैं। ऐसे में अखिलेश की नजर राजभर, ब्राह्मण, जाट, कुर्मी, मौर्या-कुशवाहा नोनिया चौहान और पासी समुदाय के वोट बैंक पर है, जिन्हें अपने पाले में लाने के लिए तमाम जतन कर रहे हैं।

कुर्मी वोट को साध पाएगी सपा?

उत्तर प्रदेश में जातिगत आधार पर देखें तो यादव के बाद ओबीसी में सबसे बड़ी कुर्मी समुदाय की है। सूबे में कुर्मी वोटर 6 फीसदी है लेकिन 16 जिलों में कुर्मी और पटेल वोट बैंक छह से 12 फीसदी से ज्यादा है। इनमें मिर्जापुर, सोनभद्र, बरेली, उन्नाव, जालौन, फतेहपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, इलाहाबाद, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और बस्ती जिले प्रमुख हैं। यूपी की 4 दर्जन विधान सभा सीटों पर कुर्मी वोटर जीतने या फिर किसी को जिताने की ताकत रखता है। 2017 के विधान सभा चुनाव में बीजेपी अनुप्रिया पटेल की अपना दल (एस) के साथ गठबंधन कर कुर्मी समाज के वोटों को हासिल करने में कामयाब रही थी। सपा ने प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम को बना रखा है, जो कुर्मी समुदाय से आते हैं। इसके अलावा कुर्मी नेता लालजी वर्मा, बालकुमार पटेल सहित कई बड़े कुर्मी नेताओं को भी सपा में एंट्री दी है।

ब्राह्मण वोट बैंक के लिए जतन

उत्तर प्रदेश की सियासत में ब्राह्मण वोटर किंगमेकर की भूमिका में है। ब्राह्मण समाज बीजेपी का यूपी में हार्डकोर वोटर माना जा है और 2017 के विधान सभा चुनावों में सीएसडीएस के अनुसार, ब्राह्मण समुदाय का 80 प्रतिशत वोट बीजेपी को मिला था जबकि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में 72 और 82 फीसदी ब्राह्मणों ने बीजेपी को वोट दिया था। हालांकि 2022 के चुनाव में ब्राह्मणों को साधने के लिए अखिलेश यादव तमाम जतन कर रहे हैं। भगवान परशुराम की मूर्ति लगाने से लेकर ब्राह्मण समुदाय के मजबूत नेताओं को पार्टी में शामिल करा रहे हैं। यूपी में ब्राह्मण भले ही 10 फीसदी के करीब है, लेकिन सियासी ताकत उससे कहीं ज्यादा है। सूबे की 403 में से 77 सीटों पर ब्राह्मण वोटर निर्णायक भूमिका में है।

राजभर वोटर पर नजर

यूपी में राजभर समुदाय की आबादी करीब 3 फीसदी है, लेकिन पूर्वांचल के जिलों में राजभर मतदाताओं की संख्या 12 से 22 फीसदी है। पूर्वांचल में राजभर समुदाय का वोट किसी भी दल का सियासी समीकरण बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखता है। पूर्वी यूपी के गाजीपुर, चंदौली, मऊ, बलिया, देवरिया, आजमगढ़, लालगंज, अंबेडकरनगर, मछलीशहर, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर और भदोही में इनकी अच्छी खासी आबादी है, जो सूबे की करीब चार दर्जन विधान सभा सीटों पर असर रखते हैं। बता दें कि 2017 में बीजेपी ने ओम प्रकाश राजभर की भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के साथ मिलकर विधान सभा चुनाव लड़ा था इसका सियासी फायदा दोनों पार्टियों को मिला था। यूपी की करीब 22 सीटों पर बीजीपी की जीत में राजभर वोट अहम कारण था जबकि चार सीटों पर ओमप्रकाश राजभर की पार्टी को जीत मिली थी। राजभर समाज का 80 फीसदी से ज्यादा वोट बीजेपी गठबंधन को मिला था और सपा को महज 5 फीसदी मिले तो 15 फीसदी वोट बसपा के खाते में गया था।

जाट वोट बैंक में लगेगी सेंध

उत्तर प्रदेश में जाट समुदाय की आबादी करीब 4 फीसदी है जबकि पश्चिम यूपी में 17 फीसदी के आसपास है। साल 2013 मुजफ्फरनगर दंगे के चलते बीजेपी ने जाट समुदाय को अपने साथ जोड़कर विपक्ष का पश्चिमी यूपी में पूरी तरह सफाया कर दिया था। इतना ही नहीं, जाटों की कही जाने वाली पार्टी आरएलडी को महज एक सीट मिली थी। सीएसडीएस के मुताबिक जाट समाज ने बीजेपी को करीब 80 फीसदी वोट दिए थे। हालांकि इस बार किसान आंदोलन और गन्ना के दाम न बढ़ाए जाने के चलते सियासी समीकरण बदल गए हैं। किसान आंदोलन से जाट-मुस्लिम के बीच दूरियां कम हुई हैं। पिछले साल चौधरी अजीत सिंह के निधन के बाद जाट समाज के बीच जयंत चौधरी के प्रति सहानभूति भी दिख रही है। ऐसे में अखिलेश ने जयंत चौधरी की आरएलडी के साथ गठबंधन कर रखा है, जिसके पीछे जाट वोटों को साधने का प्लान है। जाट समाज का एक बड़ा तबका इस बार जयंत चौधरी के साथ वापस खड़ा दिख रहा है और ऐसे ही 2022 के चुनाव तक रहा तो निश्चित तौर पर बीजेपी की चिंता बढ़ सकती है। इतना ही नहीं सपा ने दूसरी पार्टियों के जाट समाज नेताओं को भी अपने साथ लिया है।

नोनिया-चौहान वोट बैंक भी सहेजेंगे

ओबीसी में अति पिछड़ी जाति के तहत आने वाली नोनिया समाज, जो चौहान भी लिखती है। यह महज एक से डेढ़ फीसदी है, लेकिन पूर्वांचल की 10 से ज्यादा सीटों पर असर रखते हैं। नोनिया समाज का वोट मऊ जिले की सभी सीटों पर 50 हजार अधिक वोटर हैं जबकि गाजीपुर के जखनियां में करीब 70 हजार वोटर हैं। इसी तरह बलिया, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, महराजगंज, चंदौली व बहराइच में भी बड़ी संख्या में है। नोनिया समाज कभी बसपा का वोट बैंक हुआ करता था, लेकिन 2017 विधान सभा चुनाव में बीजेपी ने फागू चौहान को साथ लेकर नोनिया समाज के 90 फीसदी वोट हासिल किए थे। बीजेपी को इसका फायदा मिला था।

मौर्या-कुशवाहा वोट क्या टूटेगा?

यूपी में ओबीसी में मौर्या-शाक्य-सैनी और कुशवाहा जाति की आबादी 5 फीसदी है लेकिन सूबे के 13 जिलों का वोट बैंक 10 से 15 फीसदी है। बीजेपी ने केशव प्रसाद मौर्य को 2017 के चुनाव में आगे कर और स्वामी प्रसाद मौर्य को जोड़कर यूपी में मौर्या-शाक्य-सैनी और कुशवाहा जाति के 90 फीसदी वोटों को हासिल किया था। 2022 के चुनाव में बीजेपी के इस वोट बैंक को सपा अपने साथ जोड़ने की कवायद में है, जिसके लिए अखिलेश यादव ने केशव देव मौर्य की पार्टी महान दल के साथ गठबंधन किया है। इसके अलावा बसपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे आरएस कुशवाहा को भी सपा ने अपने साथ जोड़ा है, जो इस बात का संकेत दे रहा है कि सपा की नजर मौर्या-शाक्य-सैनी और कुशवाहा वोट बैंक पर है।

अबकी बार राजभर अखिलेश के साथ

पूर्वांचल में राजभर वोटों को साधने के लिए 2022 के चुनाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ओम प्रकाश राजभर की पार्टी के साथ गठबंधन किया है। इसके अलावा अखिलेश ने दूसरे दलों के राजभर समाज के नेताओं को भी अपने साथ मिलाया है, जिनमें रामअचल राजभर और सुखदेव राजभर के बेटे हैं। पूर्वांचल में सपा की हर रैली में मंच पर अखिलेश के साथ राजभर नेता नजर आ रहे हैं। इस तरह सपा ने राजभर वोट को अपने पाले में लाने के लिए कवायद की है।

मिशन यूपी: लाभार्थियों को रिझाने में जुटी भाजपा, घर-घर पहुंचेंगे नेता

केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की देंगे जानकारी

» कल्याणकारी कार्यों के आधार पर पक्ष में मतदान की करेंगे अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिशन यूपी के लिए भाजपा ने पूरी तरह कमर कस ली है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व समेत दिग्गज नेता यूपी को मथने में जुटे हैं। खुद पीएम मोदी ने मोर्चा संभाल लिया है। लोकार्पण और शिलान्यास के जरिए प्रदेश योगी सरकार डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को गिना रही है। अब वह योजना के लाभार्थियों को रिझाने में जुट गयी है। इसके तहत पार्टी के पदाधिकारी और नेता सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों घर-घर

जाकर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील करेंगे। इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है।

सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को रिझाकर भारतीय जनता पार्टी विधान सभा चुनाव की वैतरणी पार करेगी। इसके लिए जिले के पदाधिकारी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को साथ लेकर लाभार्थियों के घर पहुंचेंगे और उन्हें टीका लगाकर उनसे भाजपा को वोट देने की अपील करेंगे। यह अभियान 11 जनवरी से शुरू होगा। भाजपा ने हर बूथ स्तर पर किसी भी तरह की सरकारी योजना का लाभ उठाने वालों का डाटा तैयार किया है। अब पार्टी के पदाधिकारी इन लोगों के घर तक जाएंगे। वे इन लाभार्थियों को भाजपा सरकार द्वारा लाई गई सभी योजनाओं की जानकारी देंगे। इसके साथ ही उन्हें जिन योजनाओं का लाभ मिल रहा है, उनके बारे में भी बताएंगे। उन्हें योजना का लाभ मिलने में कोई परेशानी नहीं हो रही, इसकी भी जानकारी ली जाएगी। इस मौके पर घर में मौजूद पुरुषों को पुरुष व महिलाओं को महिला पदाधिकारी कुमकुम का टीका लगाएंगे। इसके साथ ही उन्हें भाजपा के लिए वोट करने का आग्रह किया जाएगा। इसके लिए हर जिले की इकाइयों को सक्रिय कर दिया गया है। बूथ अध्यक्ष और बूथ प्रभारियों को साथ ले जाया जाएगा ताकि वे लगातार उनसे संपर्क में बने रहें।

भगवा दुर्ग की सियासी किलेबंदी में जुटे सिपहसालार

अयोध्या। भाजपा के लिए अयोध्या हमेशा अहम रही है। अब जब विधान सभा चुनाव नजदीक आ गए हैं तो यहां की सभी सीटों पर पार्टी के आला नेताओं की नजर है। यहां की जीत दल की प्रतिष्ठा से हमेशा ही जुड़ी रही है। रामनगरी को भगवागढ़ का दर्जा हासिल है। भाजपा 2022 विस चुनाव में भी इस रुतबे को बरकरार रखना चाहती है। इसी वजह से पार्टी के रणनीतिकार यहां की चुनावी तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। इसको देखते हुए यहां की सभी विस सीटों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के गृह राज्य के भाजपा नेताओं को बतौर पर्यवेक्षक तैनात किया गया है। इन सभी के तार सीधे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से जुड़े हैं। इन पर भी विस चुनाव में जीत दिलाने की जिम्मेदारी है। गुजरात के मणिनगर से विधायक सुरेश पटेल को गोसाईंगंज भेजा गया है। अमराईबाड़ी के विधायक जगदीश पटेल को अयोध्या का जिम्मा दिया गया है। व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विजय पुरोहित को बीकापुर और मनीष पटेल को रुदौली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह मिल्कीपुर में भाजपा नेता सनी शाह को भेजा गया है। यहां की सभी सीटों पर कई स्तर से चुनावी तैयारी को धार दिया जा रहा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बदहाल चिकित्सा तंत्र में सुधार की दरकार

> सवाल यह है कि चिकित्सा तंत्र को सुधारने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही हैं? यहां के अस्पताल चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, दवा और जांच उपकरणों की कमी से क्यों जूझ रहे हैं? रिक्त पदों पर चिकित्सकों की भर्ती क्यों नहीं हो रही है? सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए बजट में बढ़ोतरी क्यों नहीं कर रही है?

देश में कोरोना महामारी ने फिर से कहर बरपाना शुरू कर दिया है। डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट के संक्रमण के चलते मरीजों की संख्या बेहद तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस नए संकट को लेकर दुनिया भर के देशों को आगाह किया है और चिकित्सा तंत्र को बेहतर बनाने की नसीहत भी दी है। जहां तक भारत का सवाल है तो यहां चिकित्सा तंत्र बेहद खराब है। मरीजों की संख्या में हो रही वृद्धि पर अंकुश नहीं लगा तो स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाएंगी। दूसरी लहर में ऐसी परिस्थितियों का सामना देशवासी कर चुके हैं बावजूद इसके स्थितियों में कोई सुधार नहीं दिखायी पड़ रहा है। सवाल यह है कि चिकित्सा तंत्र को सुधारने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही हैं? यहां के अस्पताल चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, दवा और जांच उपकरणों की कमी से क्यों जूझ रहे हैं? रिक्त पदों पर चिकित्सकों की भर्ती क्यों नहीं हो रही है? सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए बजट में बढ़ोतरी क्यों नहीं कर रही है? क्या लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

कोरोना की दूसरी लहर ने देश की चिकित्सा तंत्र की पोल खोल दी है। तमाम लोगों ने समुचित उपचार नहीं मिलने के कारण दम तोड़ दिया था। अब जब तीसरी लहर आ गयी है तो लोगों में अफरातफरी जैसा माहौल बनने लगा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि यहां बेहतर चिकित्सा सेवा का अभाव है। स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में दुनिया में भारत 145वें स्थान पर है। सीडीडीईपी की रिपोर्ट के मुताबिक देश में दस हजार 41 हजार 395 एलोपैथिक डॉक्टर रजिस्टर्ड हैं। यहां 10189 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइन के मुताबिक एक हजार पर एक डॉक्टर होना चाहिए। वहीं 483 लोगों पर एक नर्स है। यहां की नब्बे करोड़ ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए केवल 1.1 लाख डॉक्टर हैं। ग्रामीण इलाके में पांच में केवल एक डॉक्टर ठीक से प्रशिक्षित है। मेडिकल कॉलेजों की भी भारी कमी है। लिहाजा जरूरी डॉक्टरों की उपलब्धता नहीं हो पा रही है। यही नहीं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक बाजार में बिक रही 3.16 फीसदी और सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली 10.02 फीसदी दवा की गुणवत्ता खराब है। जाहिर है कि देश की स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बेहद खराब है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह महामारी से सबक सीखे और चिकित्सा तंत्र में जरूरी सुधार करे अन्यथा इससे निपटना मुश्किल होगा। इसके अलावा उसे तत्काल प्रभाव से रिक्त पदों पर चिकित्सकों की तैनाती करनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ सकता है फंसे कर्ज का मर्ज

सतीश सिंह

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी दूसरी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में बैंकों के फंसे कर्ज (एनपीए) के बढ़ने का अनुमान लगाया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, बढ़ती महंगाई भी फंसे कर्ज को बढ़ा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर, 2022 तक बैंकों का फंसा कर्ज 8.1 प्रतिशत से 9.5 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, जो सितंबर, 2021 में 6.9 प्रतिशत था। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के अनुसार अभी बैंकों की वित्तीय स्थिति अच्छी है। महामारी में सरकार की नीतियों और आरबीआई के नीतिगत समर्थन तथा उपायों से बैंकों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इस दौरान वित्तीय बाजार में भी स्थिरता रही है।

रिजर्व बैंक को भरोसा है कि बैंक आसानी से फंसे कर्ज से निपट लेंगे। पहली वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में आरबीआई ने कहा था कि मार्च, 2022 तक बैंकों का जीएनपीए 9.80 प्रतिशत रह सकता है। हालात ज्यादा खराब होंगे तो यह 11.22 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। मार्च, 2021 तक अनुसूचित व्यावसायिक बैंकों का फंसा कर्ज 61180 करोड़ घटकर 8.34 लाख करोड़ पर आ गया था। बैंकों का कुल फंसा कर्ज (जीएनपीए) कुल अग्रिम का 7.5 प्रतिशत था जबकि शुद्ध फंसा कर्ज 2.4 प्रतिशत। इससे पता चलता है कि बैंकों ने महामारी के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। सूचीबद्ध बैंकों का जीएनपीए जून, 2021 में 8.11 लाख करोड़ रुपये हो गया जबकि जून, 2020 में यह 8.32 लाख करोड़ रुपये था, यानी सरकारी बैंकों का प्रदर्शन निजी बैंकों से बेहतर रहा। उनका जीएनपीए 4.2 प्रतिशत कम हुआ जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों का 3.3 प्रतिशत बढ़ा। इस अवधि में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शुद्ध फंसे कर्ज में चार प्रतिशत की कमी आयी जबकि निजी क्षेत्र में यह 22 प्रतिशत की दर से बढ़ा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी सूचीबद्ध बैंकों का सामूहिक शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 61 प्रतिशत बढ़ा जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 140 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़ा। सरकारी बैंकों का परिचालन लाभ भी निजी बैंकों से 16 फीसदी बढ़ा। ओमिक्रॉन अर्थव्यवस्था को फिर से नुकसान पहुंचा सकता है। ताजा वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार निजी निवेश अभी भी कोरोना-पूर्व स्तर पर नहीं पहुंच सका है। स्पष्ट है कि आम लोगों की आय उस स्तर पर नहीं पहुंच सकी है और वे अपने खर्च

में कटौती करने पर मजबूर हैं। बढ़ती महंगाई भी जेब में सेंध लगा रही है। इस पर काबू पाने के लिए मांग और आपूर्ति के बीच समन्वय की जरूरत है, लेकिन इस मोर्चे पर संबंधित तंत्र अग्रतर कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं।

निर्यात से आयात ज्यादा होने से चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा 9.3 अरब डॉलर हो गया, जो जीडीपी का 1.3 प्रतिशत है जबकि पहली तिमाही में यह 6.6 अरब डॉलर रहा था, जो जीडीपी का 0.9 प्रतिशत था। रिजर्व बैंक के अनुसार दूसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा बढ़ने का कारण व्यापार घाटा का बढ़कर 44.4 अरब डॉलर हो जाना है। चालू खाते का घाटा वित्तवर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में 25 अरब डॉलर से ऊपर रहने की संभावना है जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में चालू खाते का घाटा 40 से 45 अरब डॉलर रह सकता है। इससे अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है और इससे सरकार विविध जरूरी मदों पर अपेक्षित खर्च नहीं कर पा रही है, जिससे मांग में वृद्धि नहीं हो रही है। मांग में बढ़ोतरी से ही आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है इसलिए अर्थव्यवस्था में सुधार की रफ्तार धीमी है। अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने से कारोबारी और आम आदमी की आमदनी में कमी आयेगी, जिससे लोग अपने ऋण की किस्त एवं ब्याज नहीं चुका पायेंगे और उससे फंसे कर्ज में वृद्धि हो सकती है।

यह सही है कि पहले से फंसे कर्ज की वसूली का काम करने वाले कानून या संस्थान फंसे कर्ज की वसूली करने के मामले में अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाये हैं, लेकिन यह भी सच है कि फंसे कर्ज की वसूली में पहले से तेजी आयी है। छह वर्षों में बैंक पांच लाख करोड़ से ज्यादा फंसे कर्ज की वसूली करने में सफल रहे हैं और आने-वाले दिनों में भी इस मोर्चे पर बेहतर परिणाम की उम्मीद की जा सकती है। मौजूदा परिप्रेक्ष्य में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में फंसे कर्ज में वृद्धि की आशंका को गलत नहीं ठहरा सकते हैं, क्योंकि ओमिक्रॉन देश के हर हिस्से में तेजी से बढ़ रहा है और महंगाई में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि भले ही बैंकों के फंसे कर्ज में वृद्धि होने की संभावना है लेकिन बैंकों पर बढ़े हुए फंसे कर्ज का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा, इसकी भी पूरी उम्मीद है।

हादसों से सबक लेना जरूरी

कृष्ण प्रताप सिंह

नये साल ने पहले ही दिन अनेक हादसों का दर्द दे दिया है। फिर वही पुराने कर्मकांड हो रहे हैं, जो हर हादसे के बाद दोहराये जाते हैं, मसलन- शोक जताने, जांच कराने, मुआवजे के ऐलान करने और आरोप-प्रत्यारोप जैसे कर्मकांड। उन तथ्यों को भी झुठलाया जा रहा है जो दोषियों की ओर संकेत कर सकती हैं। आखिर कौन कह सकता है कि जब तक हम ऐसे हादसों से सबक लेकर उनके कारणों को दूर नहीं करेंगे, इनकी पुनरावृत्ति रोक लेंगे? सबसे बड़ा हादसा दरअसल यही है कि सबक लेने के इस काम को गैरजरूरी मान लिया गया है। जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर में हुई भगदड़ के सिलसिले में, जिसमें दर्जन भर लोगों की जान चली गयी और कई अन्य जिंदगी और मौत के बीच झूल में रहे हैं इसे समझना चाहें, तो तीर्थस्थलों पर भीड़ प्रबंधन की नाकामी के कारण हुईं पिछली भगदड़ों के ब्यौरे चीख-चीखकर कह रहे हैं कि उनमें से किसी के दिये सबक भी अमल में लाये गये होते, तो ऐसी भगदड़ों में जन हानि की पुनरावृत्ति नहीं होती।

मंदिरों और अन्य सार्वजनिक जगहों में ऐसे हादसों की एक बड़ी सूची हमारे सामने है। फिर भी, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक भगदड़ का कारण बताते हुए यह तो कहते हैं कि मंदिर के गेट नंबर तीन पर कुछ युवकों में तीखी बहस के बाद धक्का-मुक्की हुई तो लोग डर कर भागने लगे। इस कारण भगदड़ हुई और जानें गयीं। राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार द्विवेदी बताते हैं कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगदड़ की जांच के लिए प्रधान सचिव (गृह) की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है, जिसके अन्य दो सदस्य जम्मू संभागीय आयुक्त राघव लंगर और जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह हैं। इस समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है लेकिन, इनमें से कोई भगदड़ पीड़ितों के इन आरोपों पर कुछ बोलने को तैयार नहीं है कि वास्तव में मंदिर बोर्ड के कर्मियों द्वारा उगाही के चक्कर में पैसे देनेवालों को पहले दर्शन करवाने के चलते अव्यवस्था पैदा हुई, जो बाद में भगदड़ में बदल गयी। आरोप लगाने वाले अपने कथन की सच्चाई को लेकर इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने सड़क पर उतरकर पुलिस की लाठियां झेलना भी गवारा कर लिया।

उनकी छोड़ दें, तो यह भी नहीं बताया जा रहा है कि मंदिर के गेटों पर दर्शन करवाने में भ्रष्टाचार रोकना राज्य पुलिस का नहीं, तो और किसका जिम्मा था? वहां कोरोना प्रोटोकॉल के बावजूद इतनी भीड़ क्यों जमा होने दी गयी और उद्गमस्थलों पर ही उसके नियंत्रण व प्रबंधन के उपाय क्यों नहीं किये गये? राज्य की विभिन्न विपक्षी पार्टियों ने भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि प्रशासन की विफलता के कारण हुई यह दुर्घटना, दुर्घटना न होकर मानवनिर्मित त्रासदी है क्योंकि कामकाज देखने से जुड़े लोग ही इस हादसे के लिए जिम्मेदार हैं।

यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि कुछ समय से वैष्णो देवी मंदिर में अति विशिष्ट (वीआइपी) संस्कृति अधिक ही बढ़ती जा रही है। विशिष्ट लोगों को उनकी बारी से पहले ही दर्शन की छूट दी जा रही है और उनकी पूजा को प्राथमिकता मिल रही है। इसके कारण सामान्य श्रद्धालुओं को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और वे स्थिति से रुष्ट व क्षुब्ध होकर ऐसे हादसों की स्थिति पैदा कर देते हैं लेकिन उठाये जा रहे ये सारे सवाल अभी तक अनुत्तरित हैं, तो यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि राज्यपाल द्वारा गठित समिति एक सप्ताह के भीतर विस्तार से जांच कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दे और जैसा कि दावा किया जा रहा है, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए माकूल मानक संचालन प्रक्रियाओं व उपायों का सुझाव दे दे, तब भी ऐसी कार्य संस्कृति और व्यवस्था के रहते हुए कौन कह सकता है कि समिति के सुझाव ऐसे किसी अगले हादसे तक सरकारी फाइलों में ही कैद नहीं रह जायेंगे?

जांच रिपोर्टों को लेकर यह सवाल हरियाणा के भिवानी जिले के तोशम ब्लॉक के दादम खनन क्षेत्र में भूस्खलन से हुए हादसे के सिलसिले में भी जवाब की मांग करता है, जिसमें चार लोगों की मौत हुई है और करीब आधा दर्जन डंपर, ट्रक तथा कुछ मशीनें मलबे में दब गयी हैं। वहां भी हादसा इसीलिए हुआ है कि 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' की सीख को भुलाकर भूस्खलन के राज्य और उसके बाहर हुए पिछले हादसों के सबकों की अनसुनी कर दी गयी। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में पटाखे बनाने की एक फैक्ट्री में आग लगने से हुए हादसे में भी इसीलिए मौतें हुईं कि पटाखे बनाने के वक्त पालन के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों की अवहेलना की गयी, मानो अतीत में पटाखा फैक्टरियों में होते आये हादसों में जन-धन की हानि कोई बड़ी बात न हो। साफ है कि हादसों से शुरू हुए नये साल में आगे उनकी पुनरावृत्ति रोकना सुनिश्चित करना है तो इधर-उधर की बात न कर हमें इस सवाल का सीधा सामना करना होगा कि हम और हमारा निजाम सबक न लेने की अपनी बीमारी से निजात पाने को तैयार हैं या नहीं? अगर सबक नहीं लिये गये, तो ऐसे हादसे हमारी नियति बने रहेंगे। सरकार को इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

घर की सजावट के लिए लगाएं स्पाइडर प्लांट

ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाता है स्पाइडर प्लांट

कोरोना वायरस का कहर एक बार फिर से शुरू हो गया है। बीते साल इसकी दूसरी लहर में अधिकतर लोग ऑक्सीजन की समस्या से परेशान रहे। घर में स्पाइडर प्लांट रखने से आपके सांस लेने में सुधार होगा। ये इनडोर ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाता है, जिससे आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है।

घर की सजावट के लिए अगर आप भी प्लांट को चुनते हैं तो आपको स्पाइडर प्लांट को अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करना चाहिए। ये खूबसूरत इंडोर प्लांट घर की सजावट के साथ साथ हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसकी पत्ती के कारण इसे स्पाइडर प्लांट कहा जाता है। ये पत्तियां काफी पतली होने के साथ-साथ मिक्स कलर का होता है, जो की सफेद और हरे रंग का होता है। अगर आप इसे घर की सजावट के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं तो ये सबसे खूबसूरत दिखने वाला पौधा है, जिसे आप लिविंग रूम में हैंग कर सकते हैं या फिर आप इसे अपने बेडरूम के किसी कोने में भी सजा सकते हैं। इसी के साथ इसके कई सारे फायदे भी हैं, आइए जानते हैं।

एयर प्यूरिफाई करता है स्पाइडर प्लांट

माना जाता है कि स्पाइडर प्लांट घर के अंदर सबसे अच्छे एयर प्यूरिफाई करने वाले पौधों में से एक है। अपने घर में स्पाइडर प्लांट लगाने से हवा में में मौजूद केमिकल जैसे टोल्यूनि, कार्बन मोनोऑक्साइड, जाइलीन, फॉर्मलाडेहाइड को हटाने में मदद मिलेगी। इन सभी केमिकल के बीच, हमारे घरों में फॉर्मलाडेहाइड काफी आम है क्योंकि यह आमतौर पर प्लास्टिक, लकड़ी, चमड़े के सामान और कपड़ों में पाया जाता है। नासा की रिपोर्ट के मुताबिक स्पाइडर प्लांट आपके घर से इस हानिकारक केमिकल को निकालने के लिए काम करता है।

थेरेपेटिक होता है स्पाइडर प्लांट

हर कोई तनाव से दूर रहना चाहता है। खासकर काम कर जब घर में लौटते हैं तो हम सभी ऐसा माहौल चाहते हैं जो खुशनुमा हो और ऐसे में घर में हम कई तरह की चीजें करते हैं जिससे घर पॉजिटिव बना रहे। ऐसे में घर के अंदर स्पाइडर प्लांट लगाने से मदद मिल सकती है। बहुत सारे अध्ययनों से पता चलता है कि स्पाइडर प्लांट पर्यावरण के तनाव के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह मूड में सुधार और कोर्टिसोल के स्तर को कम करने के लिए भी जाने जाते हैं, जो तनाव से संबंधित एक हार्मोन है। स्पाइडर प्लांट एक थेरेपेटिक प्लांट है। जो घर से गुस्सा, चिंता, तनाव, डिप्रेशन को दूर करने में मदद करते हैं। यह पौधा सभी के लिए एक खुश और स्वस्थ वातावरण बनाने में मदद करता है।

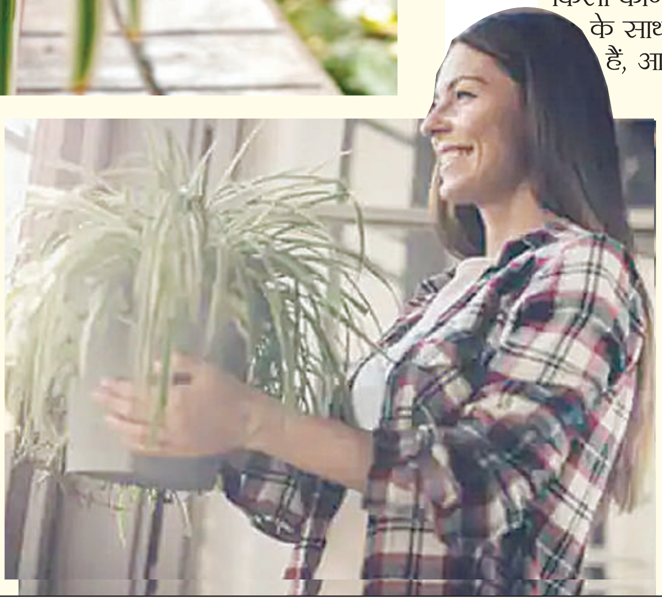

ब्लड प्रेशर, दिल की समस्या को रोकने में मदद

अक्सर अस्पतालों के कमरों में आपने इस पौधे को देखा होगा उन्हें अस्पताल के कमरों में रखा जाता है क्योंकि वे सर्जिकल रोगियों के ठीक होने की दर को तेज करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि स्पाइडर प्लांट को मरीज के कमरे में रखने से ब्लड प्रेशर, दिल की समस्या और चिंता को रोकने में मदद मिलती है।

पालतू जानवरों के लिए है सेफ

अगर आपके घर में पालतू जानवर है, तो आप घर में स्पाईडर प्लांट लगा सकते हैं। स्पाइडर प्लांट में किसी भी तरह के हानिकारक टॉक्सिन नहीं होते हैं, ऐसे में आपके पालतू जानवरों के लिए ये पूरी तरह से सुरक्षित है। इसके अलावा, इसमें हाई ऑक्सीजन क्षमताएं हैं जो इसे आपके पालतू जानवरों के लिए और भी बेहतर बनाती हैं।

हंसना मना है

एक मुर्गा अपने मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था। मालिक बहुत बीमार था और उसकी पत्नी उसके बगल में बैठी थी। मालिक की पत्नी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है, मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं। इतना सुनते ही मुर्गे के तोते उड़ गए। मुर्गा बोला- बहन जी, एक बार पैरासीटामोल देकर भी देख लो जरा।

एक भिखारी को लॉटरी लगी तो उसने मंदिर बनवाया। दूसरा भिखारी- तूने मंदिर क्यों बनवाया? पहला भिखारी- इसके सामने अब मैं अकेले ही भीख मागूंगा। दूसरा भिखारी- सॉलिड इंवेस्टमेंट लाइफ लॉन्ग टेंशन फ्री एंड टैक्स फ्री।

दोस्त, तूने तो छोटू को भी ओवर टेक कर दिया! मोटू, पतलू को गुस्से से बोल रहा था। मोटू-यार, जब मैंने तुझे खत लिखा था कि मेरी शादी में जरूर आना तो तू आया क्यों नहीं? पतलू- अरे यार, मुझे खत मिला ही नहीं। मोटू- मैंने लिखा तो था कि खत मिले या ना मिले तुम जरूर आना।

बाप- बेटा, तूने IT। के 2 सालों में सबसे मुश्किल काम कौन सा सीखा? बेटा- बस की छत पर बैठकर तेज हवाओं में एक तीली से 3 सिगरेट जलाना..!

कहानी: दो बकरियां

एक समय की बात है। एक बहुत बड़ा घना जंगल था और उसमें दो बकरियां रहती थी। उस घने जंगल के बीच में से एक नदी बहती थी और दोनों बकरियां उस नदी के दोनों किनारों की तरफ रहती थी। इस प्रकार वे दोनों अपने अपने किनारे की तरफ की हरी घास खाया करती थी। एक दिन उनमें से एक बकरी ने सोचा कि मैं हमेशा ही नदी के इस किनारे की तरफ रहकर घास खाती हूं। मैंने कभी भी नदी के उस तरफ जाकर भी नहीं देखा। अगर मैं नदी के उस तरफ चली जाऊ तो मुझे और भी ताजा और हरी घास खाने को मिल सकती है। ये सोचकर वो बकरी नदी के दूसरी तरफ जाने लगी। नदी के दूसरी और जाने का मात्र एक ही रास्ता था और वो था एक पतला सा लकड़ी का पुल जिस पर एक बार में सिर्फ एक ही जानवर गुजर सकता था। वो बकरी उस पुल तक गयी और पुल पार करने लगी तो उसने देखा कि पुल के दूसरे किनारे एक और बकरी पहले से ही खड़ी है और वो भी पुल पार करना चाहती है। धीरे धीरे दोनों बकरियां नजदीक आयी और अपने सामने आकर खड़ी हो गयी। पहली बकरी ने दूसरी बकरी से कहा- पीछे हटो और मुझे पुल पार करने दो। तो दूसरी बकरी बोली कि नहीं पहले मैं आयी थी इस पुल पर। इसलिए पहले मैं जाउंगी। पहली बकरी- नहीं, पहले मैं जाउंगी। क्योंकि पहले मैं ही इस पुल पर चढ़ी थी। अब पीछे हटो और रास्ता दो। इस प्रकार दोनों बकरियों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं थी। अब वे दोनों बकरियां आपस में ही लड़ने लगी और उनका झगड़ा बढ़ने लगा। लड़ते लड़ते अचानक एक बकरी को अपने दादाजी की सुनाई हुई एक कहानी याद आ गयी जिसमें दो बकरियां इसी तरह लड़ते हुए पुल से नीचे गिर जाती है और पानी में डूबकर मर जाती है। अब वो बकरी दूसरी बकरी से कहती है, देखो बहन! हम दोनों तो खामखा ही लड़ रही है। इससे हमें कोई फायदा नहीं होने वाला। इसलिए हमें थोड़ा समझदारी से काम लेना चाहिए। ऐसा कहकर वो बकरी वहीं बैठ पर गई और दूसरी बकरी से कहा कि बहन अब तुम मेरे ऊपर से होकर आगे निकल जाओ। दूसरी बकरी ने भी वैसा ही किया और आगे बढ़ गई। इसके बाद पहली बकरी उठी और वो भी अपने रास्ते चल पड़ी। इस प्रकार दोनों बकरियों ने शांति से पुल पार कर लिया और वहां जाकर हरी हरी घास खाने का आनंद लेने लगी।

इस कहानी से शिक्षा- शांति और समझदारी से किसी भी समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

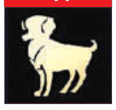

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं। आपका सामाजिक दायरा बहुत हद तक बढ़ जाएगा। आसपास के लोगों से आपको मदद मिल सकती है।

तुला

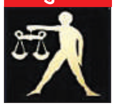

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। किसी काम में भागदौड़ थोड़ी अधिक हो सकती है। परिवार के किसी सदस्य से आपकी थोड़ी अनबन हो सकती है। बच्चों के साथ घूमने जा सकते हैं।

वृषभ

आज किसी भी बात पर दृढ़ मन से निर्णय नहीं ले सकने के कारण आप मिले हुए मौके का फायदा नहीं उठा सकेंगे। विचारों में आपका मन अटका हुआ रहेगा।

वृश्चिक

आज सोच-समझकर कदम बढ़ाने की जरूरत है, जहाँ दिल की बजाय दिमाग का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। अपने रिश्ते को कड़वाहट से बचाने के लिए कभी कभी चुप रहना ही अच्छा है।

मिथुन

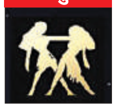

यदि आप पिछले कुछ दिनों से बेरोजगारी की स्थिति में हैं तब आनेवाला समय कुछ अच्छे परिणाम आपके लिये ला सकता है। धैर्य का फल आपको मिलेगा।

धनु

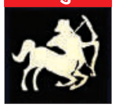

आज आप किसी अच्छे प्रोफेशनल से मिल सकते हैं, जो कि अपना अनुभव आपके साथ बांटेगा और आपको प्रोत्साहित करेगा। यह भी संकेत हैं कि वह आपको सफलता की राह पर आगे बढ़ाएगा।

कर्क

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। घर पर अचानक से कोई मित्र आ सकता है।

मकर

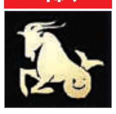

आपके काम बनते-बनते रूक सकते हैं. कारोबार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। आपको कोई भी कार्य करने से पहले अपने से बड़ों की राय जरूर लेनी चाहिए। इससे आपको लाभ होगा।

सिंह

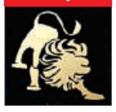

आज राजनीति में बड़े एवं प्रतिष्ठित लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा। सुखद यात्रा के योग बन रहे है। परिवार में स्वयं के द्वारा लिए गए निर्णय लाभप्रद होंगे। गुस्से को काबू में रखें।

कुम्भ

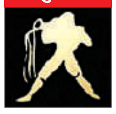

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज खर्चों में जापान होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी।

कन्या

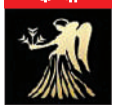

अपने व्यावसायिक सपनों को पूरा करने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करें. किसी भी नए व्यावसायिक प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले उसकी अच्छी तरह से योजना बना लें.

मीन

आज अध्यात्म के प्रति आपकी भूख बढ़ेगी. आज आपको ये जानने की इच्छा होगी कि आप किस दिशा की ओर बढ़ रहे हैं. इस राह पर चल कर आप खुद को सही मायने में समझ पाएंगे.

भोजपुरी | मन की बात

नई कहानियां चाहिए तो देखने का नया नजरिया भी लाइए : हिमांशु

तनु वेड्स मनु फ्रेंचाइजी, रांझणा और जीरो जैसी पॉपुलर फिल्मों के राइटर हिमांशु शर्मा की हालिया रिलीज अतरंगी रे इन दिनों हर तरफ चर्चा में है। हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई ये फिल्म एक ओर जहां तारीफें बटोर रही है। वहीं कई लोग मेंटल हेल्थ जैसे गंभीर मुद्दे को फिल्म में हल्के ढंग से दिखाने के लिए इसकी आलोचना भी कर रहे हैं। हिमांशु शर्मा कहते हैं कि भारी चीजों को आपको हल्का करके ही बोलना पड़ेगा, तभी वह बात ज्यादा लोगों तक पहुंच पाएगी। हिमांशु के मुताबिक समीक्षक फिल्म की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें नई कहानियों को देखने के लिए नजरिया भी नया लाना होगा। बकौल हिमांशु फिल्म को कॉमिडी के जोन में रखना जरूरी था, क्योंकि उसे जितना हल्का रखा जाएगा, उतना ज्यादा लोगों तक वो पहुंचेगा। भारी चीज को आपको हल्का करके ही बोलना पड़ेगा। वही आर्ट है। अगर आपने भारी चीज भारी तरीके से बोल दी, तो वो प्रोपेगेंडा है, वो एजेंडा है, वो झंडा है। वो कुछ भी है, पर आर्ट नहीं है। आपको उसे सरलता से कहना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ाव महसूस कर पाएं। मेरे हिसाब से कॉमिडी एक सीरियस बिजनेस है। मेंटल हेल्थ के मुद्दे को कम गहराई से दिखाने पर सवाल उठाने वाले आलोचकों को जवाब देते हुए वह कहते हैं कि आपको सही बताऊं, तो मेरा जी ऊब गया है कि नई कहानियों को भी पुराने दृष्टिकोण से देखने के तरीके पर। जैसे हमसे नई कहानियों की उम्मीद रखी जाती है, वैसे ही हमें भी नए रिव्यूअर की जरूरत है। अगर आपको नई कहानियां देखने का शौक है, तो उन्हें देखने के लिए दृष्टिकोण भी नया चाहिए। मुझे लगता है कि बहुत सारे हजारों-करोड़ों नए रिव्यूअर आने चाहिए। हर इंसान को रिव्यूअर बन जाना चाहिए।

'इंडियाज बेस्ट डांसर 2' फिनाले से मलाइका अरोड़ा हुई बाहर

बॉलीवुड | मसाला

शो प्रोड्यूसर ने जारी किया भावुक पोस्ट

डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 2' की जज के रूप में नजर आने वाली अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। फिनाले से पहले अभिनेत्री शो से बाहर हो गई है। आपको बता दें, मेकर्स 'इंडियाज बेस्ट डांसर 2' फिनाले को लेकर काफी उत्साहित है। ग्रैंड फिनाले से जुड़ी सभी तरह की तैयारी पूरी हो चुकी हैं। टीम हफ्ते भर से ग्रैंड फिनाले की शूटिंग कर रही है। कल जब पूरी टीम शो के आखिरी एपिसोड की शूटिंग की तैयार थे, तब मलाइका अरोड़ा की अचानक तबीयत खराब हो गई। इसके बाद उन्हें शूटिंग अधूरी छोड़ देनी पड़ी। इस पूरे मामले पर बात करते हुए शो से जुड़े सूत्रों ने कहा कि 'वह कोविड-19 पॉजिटिव नहीं है। मलाइका ने टीम के साथ दो दिनों तक की शूटिंग की है। इस दौरान अदाकारा खुद को कमजोर महसूस कर रही थी। हम सभी इस समय कोरोना महामारी का सामने कर रहे है ऐसे में मलाइका अरोड़ा ने आगे की शूटिंग करने से साफ मना कर दिया। डांसर निर्माता रंजीत ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी इसकी पुष्टि की है। एक लंबे नोट में उन्होंने लिखा- 'हमारा शो डांस फिनाले का जश्न मना रहा है, पूरे 13 हफ्ते की यह यात्रा शानदार रहा। इस शो में मेरे 2 प्रतियोगी और फिनाले की जज इस एपिसोड में शामिल नहीं होंगे। इसका मुझे भाऊत ज्यादा दुख है। हम सभी मलाइका अरोड़ा को काफी मिस कर रहे हैं। इस इमोशनल पोस्ट के साथ निर्माता रंजीत ठाकुर ने जज गीता कपूर और टेरेंस लुईस के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। जज मलाइका को टैग करते हुए उन्होंने लिखा, 'मिसिंग मल्ला'।

टीवी में इंट्री करेंगे जिमी शेरगिल

इन दिनों बॉलीवुड एक्टर जिमी शेरगिल के टीवी डेब्यू को लेकर चर्चा चल रही है। हालांकि अब आखिरकार जिमी ने खुद इन खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि अभी कुछ भी बताना जल्दबाजी होगी क्योंकि उनकी ओर से कुछ भी फाइनल नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार उड़ारियां के निर्माता, सरगुन मेहता और रवि दुबे एक नए शो के साथ आने के लिए तैयार हैं, जिसका शीर्षक स्वर्ण मंदिर है, जो एक पारिवारिक ड्रामा है। यह एक ऐसे जोड़े के बारे में है, जिन्हें उनके बच्चों ने बुढ़ापे में अकेला छोड़ दिया है। निर्माताओं ने मुख्य भूमिका निभाने के लिए एक्टर अमन वर्मा और बाद में जिमी शेरगिल से शो के लिए संपर्क किया है। हालांकि, फिलहाल जिमी ने कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है और न ही अमन ने शो के लिए हां कहा है। जिमी ने बताया कि सरगुन और रवि ने सिर्फ आइडिया सुनाया है। उन्होंने कहा, मैंने कई साल पहले सरगुन के साथ एक पंजाबी फिल्म जिंदुआ की थी, इसलिए मैं उन दोनों को काफी लंबे समय से जानता हूं। उन्होंने मुझे एक आइडिया सुनाया लेकिन उससे आगे कोई अनुबंध

अभी तक साइन नहीं किया गया है। जिमी ने आगे कहा, यह बहुत जल्दी है। कुछ भी कहो क्योंकि चीजें आगे नहीं बढ़ी हैं। मुझे नहीं पता कि यह खबर कैसे फैली। वास्तव में, मैं भी हैरान हूं कि बिना किसी पुष्टि के, ये खबरें इधर-उधर फैल रही हैं। टीवी शो में अपनी रुचि के बारे में एक्टर ने कहा, मैं योर ऑनर जैसी फिल्मों और वेब शो में व्यस्त रहा हूं, इसलिए एक टेलीविजन धारावाहिक करना, वह भी अगर यह वर्षों तक जारी रहे तो संभव नहीं है। बेशक अगर कुछ दिलचस्प होता है और थोड़े समय के लिए आता है, मैं इसका हिस्सा बनने के बारे में सोच सकता हूं। गौरतलब है कि जिमी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म माचिस से की थी। इसके बाद उन्हें मोहब्बतें, मेरे यार की शादी है, मुन्ना भाई एमबीबीएस जैसी फिल्मों में देखा गया। इसके अलावा उन्होंने वेब शो में भी काम किया, जिनमें से एक योर ऑनर है।

अजब-गजब | कपड़े रखने के लिए बनवाई थी 240 फीट ऊंची अलमीरा

हैदराबाद का ऐसा निजाम जो एक कपड़ा कभी दोबारा नहीं पहनता था

दुनिया में लोगों के खाने से लेकर कपड़े पहनने तक के अलग-अलग शौक होते हैं। कोई ज्यादा पैसा कमाना चाहता है, तो किसी को लग्जरी गाड़ियों का शौक होता है। जबकि कई लोगों को कपड़े पहनने का शौक होता है। आज हम आपको एक ऐसे ही शख्स के बारे में बताते हैं जो कपड़ों का इतना शौकीन था कि एक बार पहने हुए कपड़ को दोबारा नहीं पहनता था। यह बात जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। आईए जानते हैं कपड़ों के शौकीन इंसान के बारे में...

इस शख्स का नाम महबूब अली खान था जो हैदराबाद के निजाम थे। वर्तमान में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के छठे निजाम थे महबूब अली खान। वह जिस कपड़े को एक बार पहन लेते थे उसको दोबार कभी नहीं पहनते थे। बताया जाता है कि कपड़ों को रखने के लिए उनके पास दुनिया की सबसे बड़ी अलमीरा थी। 240 फीट ऊंची अलमीरा को उनकी हवेली के दक्षिण तरफ बनाया था। इसमें कपड़ो के साथ ही जूते और साज सज्जा की वस्तुएं भरी पड़ी थीं।

हैदराबाद के छठे निजाम महबूब अली खान का जन्म 7 अगस्त, 1866 को हुआ था। निजाम ने अपने कपड़ों को रखने के लिए 124 आलमारियां रखी थीं

जिसके पास ही कपड़े बदलने के लिए कमरे बनाये गए थे। हैदराबाज की पुरानी हवेली में इस समय सिर्फ एक अलमीरा है जिसमें एक टोपी और दो जोड़ी बूट रखे गए हैं। अब यह एक म्यूजियम बन चुका है। बूट्स को देखकर लगता है कि उसे सिर्फ एक बार ही पहना गया होगा। इसमें अभी भी लंदन की कंपनी का मुहर लगा है। उनकी अलमीरा में लिफ्ट लगी हुई थी जिससे कपड़ों को असानी से उतारा जा सके। इस लिफ्ट को हाथ से चलाया जाता था। बर्मा की टीक की लकड़ी से इन आलमारियों का निर्माण किया गया था जिसमें दीमक नहीं लगते थे। आज भी ये अलमीरा वैसी की वैसी ही है।

इतिहासकारों के मुताबिक हैदराबाद में निजाम मुगलों के एजेंट थे। उन्होंने 1722 में मौका मिलते ही हैदराबाद रियासत की सत्ता अपने हाथों में ले ली और राजा घोषित कर दिया। इतिहास में हैदराबाद पर सात निजामों ने राज किया था। इनमें से एक निजाम महबूब अली खान ने वेस्टर्न कपड़े पहनने शुरू किए थे।

जंगल में दिखी दुर्लभ रंगों वाली लोमड़ी इसकी खूबसूरती देखकर रह जाएंगे हैरान

सबसे चालाक जानवरों में सबसे पहला नाम लोमड़ी का आता है। ये जितनी चालाक होती है शायद ही कोई जानवर होगा। अभी हाल में ही कनाडा में एक ऐसी लोमड़ी को पता चला है जो बेहद दुर्लभ है। ये लोमड़ी मिलैनिस्टिक है, क्योंकि इसके शरीर का रंग काला और भूरा है। जानकार बताते हैं कि इस तरह के रंगों वाले जीव बेहद दुर्लभ होते हैं। जब जानवरों की त्वचा के रंगों के पिगमेंटेशन कम होता है तब इनके शरीर का रंग हल्का या सफेद हो जाता है। उसी तरह त्वचा पर यदि ज्यादा गहरे रंग का पिगमेंटेशन हो तो जानवरों के त्वचा का रंग गहरा होता है। इसीलिए इन जैसे रंगों वाले जानवरों को मिलैनिज्म कहा जाता है। रंग काला और भूरा होने के कारण ये लोमड़ी देखने में बेहद ही खूबसूरत लग रही है। जब भी किसी जानवर के त्वचा का रंग ज्यादा काला होता है तब वो इसी तरह दिखाई देते हैं। इनके फर भी काले होते हैं, लेकिन इस लोमड़ी की खास बात है कि इसमें भूरा रंग भी दिखाई दे रहा है। इसीलिए ये लोमड़ी क्रॉस फॉक्स के नाम से भी बुलाई जाती है...जंगली जीवों के विषय में अध्ययन करने वाले जानकार बताते है कि अब क्रॉस फॉक्स आसानी से नहीं दिखाई देती हैं, पुराने समय में इनकी संख्या ज्यादा हुआ करती थी, लेकिन 20वीं शताब्दी की शुरुआत में इनके फरों की मांग ज्यादा होने से इनका शिकार ज्यादा होने लगा और इनकी संख्या घटती चली गई। अब ये जीव लगभग विलुप्ति के मुहाने पर खड़ा है। इस प्रजाति की लोमड़िया बहुत ही चतुर होती हैं। ये किसी का भी खाना खा लेती है, वैसे इन्हें सबसे ज्यादा मांसाहारी खाना ज्यादा पसंद होता है। अगर इन्हें मांसाहारी भोजन नहीं मिलता तो ये फल-फूल भी खा लेती हैं। चूहा इनका पसंदीदा शिकार होता है। ये गड्ढे में घुसे हुए खरगोश को भी निकाल कर खा लेती हैं। इस प्रजाति की लोमड़ी अपनी मौजूदगी के लिए एक खास तरह का गंध छोड़ती है। इस गंध से समूह की सारी लोमड़िया एक दूसरे को पहचान लेती हैं। ये लोमड़ी इसी गंध के कारण ही दूसरी लोमड़ी की ताकत का अंदाजा लगा लेती हैं और तब तय करती हैं कि लड़ाई लड़नी है या नहीं।

कोरोना : प्रदेश में अब बिना राशन कार्ड वालों को मिलेगा फूड पैकेट

» सामुदायिक भोजनालय शुरू करने के सरकार ने दिए निर्देश

» रैन बसेरों को भी किया जाएगा दुरुस्त, टीकाकरण की रफ्तार होगी तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार अब कोविड के मद्देनजर लोगों के खानपान का ध्यान रखेगी। जिन लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें दोनों समय फूड पैकेट दिया जाएगा। इसके लिए सामुदायिक भोजनालय का संचालन शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार द्वारा 15 करोड़ लोगों को नि:शुल्क राशन दिया जा रहा है, लेकिन तमाम लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है। इनके खाने के लिए सामुदायिक भोजनालय शुरू किया जाए। निराश्रित लोगों, अकेले रह रहे बुजुर्गों, दिव्यांगजनों पर विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसे लोगों के संक्रमित होने पर उनके साथ अतिरिक्त संवेदनशीलता का भाव रखा जाए। पुलिस, राजस्व और स्वास्थ्य विभाग की टीम इनके समुचित इलाज, भोजन आदि की व्यवस्था करे। ठंड के दृष्टिगत रैन बसेरों में भी समुचित प्रबंध रखे जाएं। निगरानी समितियां गांवों में प्रधान के नेतृत्व में और शहरी वार्डों में पार्षदों के नेतृत्व में क्रियाशील रहें। घर-घर संपर्क कर बिना टीकाकरण वाले लोगों की सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें टीकाकरण के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग, त्वरित ट्रीटमेंट और तेज टीकाकरण की नीति से प्रदेश में कोविड की स्थिति नियंत्रण में है। चिकित्सा विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि यह संक्रमण कम तीव्रता वाला और वायरल फीवर की तरह है। सामान्य मरीज होम आइसोलेशन में रहकर चिकित्सक की सलाह से अपना इलाज कर सकते हैं। हर स्तर पर सावधानी जरूरी है। होम आइसोलेशन वाले मरीजों की निरंतर निगरानी की जाए। अन्य मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को संक्रमण से बचाने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

यूपी में आठ घंटे का नाइट कर्फ्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के गति पकड़ने के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ ने मोर्चा संभाल लिया है। कोविड प्रबंधन के लिए मुख्यमंत्री की उच्चस्तरीय टीम-09 को उन्होंने सभी जिलों में रविवार रात दस बजे से ही रात्रिकालीन कर्फ्यू को प्रभावी करने का निर्देश दिया। इससे पहले एक हजार से अधिक एक्टिव केस वाले जिलों में दस बजे से नाइट कर्फ्यू प्रभावी होता था। कोविड संक्रमण की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश के सभी जनपदों में रात्रि 10 बजे से प्रातः छह बजे तक रात्रिकालीन कर्फ्यू प्रभावी होगा।

कुलगाम मुठभेड़ में अल-बदर के दो आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नए साल पर कश्मीर में आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लेने वाले जम्मू-कश्मीर के सुरक्षाबलों ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की है। दक्षिण कश्मीर के जिला कुलगाम के हुसैनपोरा गांव में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच रविवार रात से जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने अल-बदर के दो शीर्ष आतंकवादियों को मार गिराया है। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार व गोला बारूद भी बरामद हुए हैं। मारे गए आतंकियों की पहचान की जा रही है।

पुलिस के अनुसार रविवार शाम को यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सुरक्षाबलों को इस गांव में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली। इसके तुरंत बाद पुलिस, सीआरपीएफ और सेना की संयुक्त टीम ने गांव में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। जैसे ही सुरक्षाबल आतंकियों के छिपे ठिकाने के पास पहुंचे, आतंकियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। इससे मुठभेड़ शुरू हो गई। यह वर्ष 2022 की सातवीं मुठभेड़ थी। सुरक्षाकर्मी इन साल 13 आतंकियों को ढेर कर दिया है। मारे गए इन आतंकियों में छह पाकिस्तानी आतंकी थे।

पंजाब के चुनावी समर को कांग्रेस तैयार, उम्मीदवारों पर मंथन

» उम्मीदवारों के चयन पर लेंगे सोच-समझकर फैसला: सिद्धू

» सोनू सूद की बहन मालविका कांग्रेस में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि विधान सभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की सूची को बहुत जल्द अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सिद्धू ने कहा कि स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक चल रही है। हम सोच-समझकर फैसला लेंगे। कांग्रेस हमेशा अंत में अपने उम्मीदवारों की घोषणा करती है।

यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस अपना चुनाव अभियान कैसे चलाएगी, सिद्धू ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि 15 जनवरी के बाद चीजें बदल जाएंगी। स्पष्ट निर्देश हैं कि आपको डिजिटल रूप से प्रचार करना होगा। अगर चीजें बदतर होती हैं तो हमें इस लिटमस टेस्ट को पास करना होगा। वहीं दूसरी ओर फिल्म अभिनेता सोनू सूद की बहन मालविका सूद सच्चर कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता हासिल की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वे मोगा से कांग्रेस की उम्मीदवार हो सकती हैं। हालांकि इसकी औपचारिक घोषणा आज होने की संभावना है। सोनू सूद के राजनीति में सक्रिय होने की खबरें काफी समय से चर्चा में थीं। वे मोगा में कई समाजसेवी कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे थे। हालांकि उन्होंने खुद राजनीति में आने से इनकार करते हुए अपनी बहन को आगे बढ़ाया। पंजाब के मोगा जिले से ताल्लुक रखने वाले सूद पिछले साल कोविड लॉकडाउन के दौरान प्रवासी कामगारों को उनके घरों तक पहुंचाने में मदद करने के लिए राष्ट्रीय सुर्खियों में आए थे। कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से सोनू सूद की मुलाकात के बाद से ही उनके राजनीति में उतरने के कयास लगाए जा रहे थे। बीते माह सोनू सूद ने पंजाब के मौजूदा सीएम चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात की थी।

उत्तराखंड में दोबारा सरकार बनाकर तोड़ेंगे मिथक : धामी

मतदाताओं से चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का किया आह्वान

» सीएम ने अबकी बार साठ के पार का दिया नारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद कई मिथक टूटे हैं। हम उत्तराखंड में भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर मिथक तोड़ेंगे। उन्होंने मतदाताओं से चुनाव में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हमने पांच साल जनता की सेवा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड के लिए एक लाख करोड़ की योजनाओं की स्वीकृति हुई। रेलवे, सड़क, हवाई कनेक्टिविटी की योजनाओं के अलावा किसान, उद्यमी, कारोबारी, व्यापारी, दुकानदार, कमजोर वर्ग, युवा, महिला सहित हर वर्ग के हितों के लिए काम किया। रोजगार देने की शुरुआत की। 21 साल से लंबित परिसंपत्तियों के बंटवारे को निपटाया। हमें पूरा भरोसा है कि भाजपा को फिर से जनता का आशीर्वाद मिलेगा। पार्टी अबकी बार साठ पार के नारे को चरितार्थ करेगी। पीएम नरेंद्र मोदी के केंद्र में आने के बाद कई मिथक टूटे, दोबारा सरकार बनाकर हम उत्तराखंड में भी मिथक तोड़ेंगे। राज्य को ऐसी सरकार चाहिए जो केंद्र में भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा उनका पहला और अंतिम प्यार है। उन्होंने खटीमा विधान सभा से अलग दूसरी विधान सभा से चुनाव लड़ने की चर्चाओं को खालिस अफवाह करार दिया। उन्होंने कहा कि खटीमा उनकी कर्मभूमि है और इसे छोड़कर वह कहीं नहीं जाने वाले।

भाजपा विधायक रश्मि वर्मा ने दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में भाजपा को झटका लगा है। बताया जा रहा है भाजपा की एक विधायक ने पार्टी से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। राज्य की नरकटियागंज विधान सभा सीट से विधायक रश्मि वर्मा ने रविवार को अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस्तीफे की वजह व्यक्तिगत बताई है। हालांकि भाजपा ने उनसे अपना त्यागपत्र वापस लेने का आग्रह किया है।

नरकटियागंज निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली रश्मि वर्मा ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें उनके हाथ में स्पीकर को संबोधित त्यागपत्र था। विधायक की शादी जमींदार परिवार में हुई है, जो पश्चिम चंपारण जिले के शिकारपुर एस्टेट के मालिक हैं। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि विधायक को विधान सभा अध्यक्ष को त्यागपत्र सौंपने से रोका गया और उनसे इस्तीफा वापस लेने का आग्रह किया गया। यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि उन्होंने पारिवारिक कारणों से आवेग में आकर इस्तीफा देने का निर्णय लिया और इस प्रकरण में कोई राजनीतिक कोण नहीं है।

बॉर्डर पर बढ़ी सतर्कता, शराब की तस्करी रोकने को टीमें तैनात

» आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग के निर्देश पर आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट और ग्रामीण पुलिस ने बार्डर एरिया पर सतर्कता बढ़ा दी है। शराब तस्करी रोकने और अवैध रुपयों की धरपकड़ के लिए पुलिस की संयुक्त टीमें बार्डर पर चेकिंग करेंगी। इसके लिए पिकेट और पुलिसबल तैनात कर दिया गया है।

यह टीमें 24 घंटे अलर्ट होकर बाहरी सीमा से राजधानी में प्रवेश करने वाले और यहां से गैर जनपद जाने वाले वाहनों की चेकिंग करेंगी। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने जेसीपी कानून व्यवस्था पीयूष मोर्डिया की निगरानी में यह टीमें बनाई हैं। जेसीपी ने इस संबंध में आईजी रेंज लक्ष्मी सिंह से बात की। इसके बाद टीमों का गठन कर दिया गया। टीमों को चेकिंग के संबंध में सख्त निर्देश दिए गए हैं। जेसीपी कानून व्यवस्था ने बताया चुनाव के समय अवैध शराब की तस्करी, रुपयों का गाड़ियों से आवागमन बढ़ता है। आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। जो भी इसका उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। सीतापुर रोड, इटौंजा टोल प्लाजा के पास, फैजाबाद रोड, बीबीडी नहर, मोहान रोड पर घुरघुरी तालाब के आगे लखनऊ की सीमा पर, हरदोई रोड, महिलाबाद, कानपुर रोड बनी पुल, रायबरेली रोड आदि पर चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं।

झुलसी युवती के इलाज को आगे आ रहे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के भूपतिपुर निवासी गुलशन (बदला नाम) पर पिछले दिनों पाकड़पुर निवासी पवन गौतम ने पेट्रोल डालकर जला दिया था, जिससे वह बुरी तरह झुलस गयी है। वह बीएचयू में जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रही है। पीड़ित परिवार बेहद गरीब है। लिहाजा उसके इलाज के लिए कादीपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल हक आगे आये। उन्होंने पीड़ित परिवार की मदद करने के लिए लोगों से मदद की अपील की। उनकी अपील पर मोहल्ला राजेंद्र नगर निवासी वसीम अहमद उर्फ बन्ने ने 15000 रुपये का सहयोग किया है।

अब्दुक हक ने बताया कि अब तक एसडीएम महेंद्र कुमार सिंह, तहसीलदार अरविंद कुमार, सब रजिस्ट्रार प्रेम प्रकाश सिंह, पप्पू रिजवान, अच्छे राम धुरिया, संजय गुप्ता, राजेश कुमार श्रीवास्तव, मुस्ताक, वेद प्रकाश सोनी, गणेश सोनी, इम्तियाज खान, मोहम्मद आसिफ खान, शिवमंगल अग्रहरी, अब्दुल्ला, घनश्याम मिश्रा, एस पी यादव, राजेश कुमार पांडेय, आलोक कुमार सिंह, अब्दुल रहमान, राज नारायण यादव आदि इस अभियान का हिस्सा बन चुके हैं। गौरतलब है कि आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

डोर-टू-डोर कैंपेनिंग करेगी आम आदमी पार्टी : संजय

» कार्यकर्ता घर-घर पहुंचाएंगे केजरीवाल गारंटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने प्रदेश कार्यालय पर चुनाव आयोग द्वारा कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए वर्चुअल चुनाव प्रचार का निर्णय लेने की सराहना की। इस मौके पर बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर संजय सिंह ने भाजपा पर करारा हमला बोलते पार्टी पर सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

उन्होंने बताया आम आदमी पार्टी चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए हर वनसभा क्षेत्र में पांच-पांच लोगों की 20 डोर-टू-डोर कैंपेनिंग टीम बनाएगी। सिर्फ पांच लोग ही डोर टू डोर कैंपेनिंग करेंगे।

संजय सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग का निर्णय सराहनीय है, क्योंकि लोगों का जीवन अमूल्य है। हमने वर्चुअल रैली की। वाराणसी में प्रस्तावित केजरीवाल गारंटी रैली को लखनऊ से मैंने वर्चुअल संबोधित किया तो उसमें डेढ़ लाख लोग जुड़े। उन तक हमने अपनी बातें पहुंचाईं। आम आदमी पार्टी पहले से ही वर्चुअल प्रचार के रास्ते पर चल रही है। साथ ही संजय सिंह ने आप के भीड़ रहित चुनाव प्रचार अभियान की योजना साझा की। बताया कि 2013, 2015, 2020 के दिल्ली चुनाव हों या 2019 का लोकसभा चुनाव आप डोर-टू-डोर कन्वेंसिंग करती रही है।

कांग्रेस देगी महिलाओं को बराबरी का हक : प्रियंका

» कांग्रेस महासचिव ने महिलाओं को दिया राजनीति में आने का ऑफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं अभियान यूपी चुनाव के बाद देश के दूसरे राज्यों में ले जाया जाएगा। बीते कुछ दिनों में भाजपा, सपा और आम आदमी पार्टी भी महिलाओं की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से महिलाओं को सशक्त बनाना है तो गैस सिलेंडर या कुछ पैसे देने से काम नहीं चलेगा। उन्हें बराबरी देनी होगी।

प्रियंका गांधी ने कहा कि महिलाओं को समझना होगा कि हम एकजुट होकर भविष्य बदल सकते हैं। पिछले डेढ़ साल में जहां-जहां महिलाओं पर उत्पीड़न हुआ में वहां गयी। उन्नाव, रायबरेली समेत जहां-जहां मैं गई और पीड़ितों से मिली तो उनमें लड़ने का जज्बा देखा। उससे ही मेरे मन में ये भावना आई और इसी भावना से हमारा नारा प्रेरित है- लड़की हूं, लड़ सकती हूं। महिलाओं को राजनीति में आने के लिए आमंत्रण देते हुए उन्होंने कहा कि अगर आप महिला हैं, राजनीति में आना चाहती हैं तो आइये मुझसे मिलिए। हम बात करेंगे। यूपी चुनाव के लिए कांग्रेस की जो लिस्ट आएगी उसमें आप ऐसी महिलाएं पाएंगे जिन्होंने बहुत संघर्ष किया। सपा की एक महिला की साड़ी पंचायत चुनाव में खींची गई। हम उन्हें लड़ाएंगे। उन्होंने फेसबुक लाइव के दौरान न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा को अपनी पसंदीदा महिला नेता बताते हुए कहा कि वह बहादुर है, सहज हैं।

जागरूकता पोस्टर न लगाएं जाने से भड़के डीएम, कहा

नगर आयुक्त और सभी के खिलाफ होगी कार्रवाई

संक्रमण की बढ़ती रफ्तार के बीच अभिषेक प्रकाश ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को रोकने के लिए जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश पूरी तरह सजग है। डीएम ने कोविड को देखते हुए खुद मोर्चा संभाल लिया है। इसी क्रम में वे लगातार शहर की स्थितियों का आंकलन कर रहे हैं। डीएम आज जब दौरे पर निकले तो नगर निगम की लापरवाही देख भड़क उठे। बोले कि संक्रमण की रफ्तार तेज है बावजूद अभी तक शहर में जागरूकता पोस्टर तक नहीं लगाए।

उन्होंने कोरोना के प्रति जागरूकता पोस्टर न लगाए जाने से नाराजगी दिखाते हुए नगर आयुक्त और एसडीएम सदर के खिलाफ कार्यवाही करने को कहा। डीएम बोले जिसने भी लापरवाही बरती, उन सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों से पूछा कि आखिर कोविड कमांड सेंटर हेल्पलाइन नम्बर के पोस्टर अब तक क्यों नहीं लगे। जबकि राजधानी के गली मोहल्लों में कोरोना रोकथाम जागरूकता के पोस्टर लगने थे। अभिषेक प्रकाश ने कोविड के नंबर के साथ दस हजार से ज्यादा पोस्टर लगाने के सख्त आदेश दिए और कहा कि लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोविड-19 संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश लगातार फील्ड पर हैं। वे स्वयं निकलकर होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों से संवाद कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले डीएम ने जीपीओ चौराहे से निगम की 30 जागरूकता और सेनेटाइजेशन गाड़ियों को रवाना किया। जो वार्ड में घूम-घूम कर लोगों को कोरोना के खिलाफ जागरूक कर उन्हें मास्क लगाने, घर में सुरक्षित रहने, टीकाकरण के लिए जागरूक करेंगे।

सरकारी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कार्मिकों के साथ ही अब होगा काम

उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के गति पकड़ने के साथ ही सीएम योगी ने सतर्कता भी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के प्रबंधन के लिए गठित उच्चस्तरीय टीम-09 की बैठक में कोरोना के बढ़ते प्रसार को देखते हुए नई गाइडलाइन भी जारी कर दी है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के सभी सरकारी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कार्मिकों के साथ ही कार्य कराएं। किसी भी कीमत में 50 प्रतिशत से अधिक कर्मी एक समय में किसी भी दफ्तर में ना आएं।

बुलडोजर चलने से परेशान हैं विपक्षी दल : स्वतंत्रदेव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा और भाजपा के नेता एक-दूसरे पर लगातार निशाना साध रहे हैं। अब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने सपा द्वारा दिए गए नारे 10 मार्च को आ रहे हैं अखिलेश... नारे पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि अखिलेश ने जनता के लिए ऐसा क्या किया है, जो उन्हें सत्ता में लाया जाए। वह तो जिन्ना की मूर्ति लगवाने, सरदार पटेल की मूर्ति हटाने, राम मंदिर पर बुलडोजर चलाने और माफिया-गुंडों को संरक्षण देने के लिए आना चाहते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि सपा की झूठ और फरेब की राजनीति जनता के सामने खुलकर आ गई है।

कोरोना काल में जनता को तिलांजलि देकर अखिलेश ने बता दिया है कि वह सत्ता के आगे जनता को कुछ नहीं समझते हैं। जनता उन्हें देख-परख चुकी है और योगी का सुशासन भी देख चुकी है। इसमें कोई शक नहीं है कि भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ फिर से जीतकर आएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।